वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

www.wagadsandesh.com

जन मन की आवाज

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-334 सागवाड़ा, बुधवार, 24 अगस्त, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

विवादित रजिस्ट्री की पड़ताल

कडाणा की भूमि का मामला

बाँसवाड़ा ज़िले के कांग्रेस नेता की एंट्री ➡ ज़मीन ख़रीदने वाला आसपुर का, भुगतान सागवाडा की बैंक से और गवाह बाँसवाड़ा के गनोडा से ➡ बाँसवाड़ा ज़िले से कांग्रेस का एक जिला परिषद सदस्य, रजिस्ट्री में बतौर गवाह ➡ आश्चर्य की बात ये है कि सागवाडा की इस बेशक़ीमती भूमि की ख़रीद फ़रोख्त डीएलसी दर से कम में हुई है

सागवाडा। कडाणा विभाग की भूमि के नामांतरण खोले जाने और रजिस्ट्री के मामले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। ज़मीन बेचने और ख़रीदने वाला व्यक्ति भले ही डूंगरपुर ज़िले के सागवाडा और आसपुर से हैं लेकिन इसके तार बाँसवाड़ा ज़िले से जुड़ रहे हैं ।

इस प्रकरण के तार अब बांसवाड़ा से भी जुड़ रहे हैं। रजिस्ट्री में गवाह के रूप में बाँसवाड़ा ज़िले से कांग्रेस की एक जिला परिषद सदस्य का नाम सामने आया है इस पूरे प्रकरण में आश्चर्य की बात ये है कि सागवाडा की इस बेशक़ीमती भूमि की ख़रीद फ़रोख्त डीएलसी दर से कम में हुई है। भूमि 2 करोड़ 81 लाख में ख़रीदी गई है जबकि इसकी डीएलसी दर 693 रूपये है। जिसके तहत इसकी क़ीमत 3 करोड़ 62 रूपये बनती है। 52,200 स्क्वायर फ़ीट ज़मीन का सौदा यदि डीएलसी दर से भी हुआ वह होता तो 81 लाख 16 हज़ार रुपया ज़्यादा देने पड़ते हैं।

हालाँकि रजिस्ट्री में स्टॉम शुल्क और कमी सरचार्ज डीएलसी दर के अनुसार ही 31लाख 87 हज़ार 320 रुपये चुकाया गया है। इसमें मज़े की बात यह भी है कि ज़मीन को ख़रीदने वाला आसपुर के रामा गाँव का है जबकि उस ने भुगतान सागवाडा के अपने एक्सिस बैंक के एकाउंट से किया है। इस ज़मीन ख़रीद फ़रोख्त में गवाह के रूप में एक नाम सागवाडा के मक़बूल पिता शफ़ी मोहम्मद का आ रहा है वहीं दूसरा नाम बांसवाड़ा ज़िले के गनोडा के राजेंद्र कुमार जैन पिता गौतम लाल जैन का आरहा है जो कांग्रेस से जिला परिषद सदस्य बताए जा रहे हैं। राजेंद्र कुमार जैन का नाम सामने आने के बाद जाँच का विषय यह भी है कि राजेंद्र कुमार जैन के तार कांग्रेस के किसी बड़े नेताओं से जुड़े हुए तो नहीं है, पुलिपुलिस ने इस पूरे प्रकरण में अब तक इन गवाहों से भी क्या कोई पूछताछ की है या नहीं। रजिस्ट्री की पड़ताल की गई तो पता चला कि ज़मीन ख़रीदने वाले आसपुर के रामा गाँव के हरिसिंह पिता राम सिंह चौहान ने सागवाडा के अपने एक्सिस बैंक के एकाउंट से राशि का भुगतान किया है ।

जिसके तहत चार नंबर152776 152779 तक 40लाख का एक चेक दिया गया है। इसी तरह चौक नंबर152780 और152781 से भी भुगतान किया गया है।

सागवाड़ा से गुजर रहे नेशनल हाईवे 927A पर डूंगरपुर सागवाड़ा मार्ग पर मुख्य डाकघर के पास स्थित भूमि जिसका नामांतरण खोल रजिस्ट्री की गई थी।

बैंक एकाउंट से खुल सकते हैं कई राज

इस पूरे प्रकरण में अब जाँच का विषय यह भी बनता है कि कांग्रेस के जिला परिषद सदस्य राजेंद्र कुमार जैन की इसमें क्या भूमिका है साथ ही ज़मीन ख़रीदने वाले हरी सिंह पिता राम सिंह चौहान के सागवाडा में एक्सिस बैंक के अकाउंट की जाँच भी की जानी चाहिए कि उनके एकाउंट में कहाँ कहाँ से कब कब भुगतान आया किया गया।

ख़रीदने और बेचने वाले फ़रार, पुलिस जब पहुँची जयपुर

इधर पुलिस की तफ़्तीश में यह सामने आया है की ज़मीन बेचने वाली नज़्मा शेख़ और फातेमा पुलिस की पकड़ में अभी तक नहीं आए हैं। साथ ही ज़मीन ख़रीदने वाले हरिसिंह पिता रामसिंह राम सिंह चौहान भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। इधर जाँच अधिकारी जयपुर के लिए रवाना हो गए हैं और इस अनुसंधान में जुटे हैं कि फ़र्ज़ी आदेश कैसे आया ?

कडाणा विभाग की भूमिका भी संदिग्ध ?

इधर इस पूरे मामले में कडाणा विभाग की भूमिका भी संदिग्ध नज़र आ रही है क्योंकि जिस भूमि का नामांतरण खोल कर रजिस्ट्री की गई थी उस भूमि का मूल मालिक कडाणा विभाग है लेकिन इस विभाग की ओर से अभी तक किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

737 टीमें घरों पर जाकर करेगी सर्वे, 2 सितंबर तक चलेगा अभियान

डूंगरपुर। डूंगरपुर में बारिश के बाद मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। विभाग की ओर से डेंगू रोधी अभियान की शुरुआत की गई है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की 737 टीमें 4 लाख से ज्यादा घरों पर जाकर लोगों के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ करेंगी।

सीएमएचओ डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि बारिश के बाद मौसमी बीमारियों के साथ ही डेंगू का खतरा भी बढ़ जाता है। बीमारियों से लोगों को बचाने की अभी से तैयारी कर ली है। इसके लिए जिलेभर में डेंगू रोधी अभियान चलाया जा रहा है। सीएमएचओ ने बताया कि यह अभियान 2 सितंबर तक चलाया जाएगा। अभियान के तहत जिलेभर में 737 टीमें बनाई गई हैं। ये टीम 3 लाख 61 हजार 926 घरों का सर्वे करेंगी। इसके तहत स्वास्थ्यकर्मी घरों पर जाकर लोगों से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछेंगे। बुखार जैसी शिकायत होने पर उनके ब्लड सैंपल लिए जाएंगे। मरीज की हालत गंभीर होने पर उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जाएगा।

सीएमएचओ ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मियों की ओर से एंटी लार्वा एक्टिविटी भी चलाई जाएगी। नालियों में क्रूड ऑयल डाला जाएगा। वहीं ज्यादा मच्छर पैदा होने वाली जगहों पर डीटीटी का छिड़काव किया जाएगा। नगर परिषद, नगर पालिका क्षेत्र में जरूरत के हिसाब से फॉगिंग कराई जाएगी। साथ ही मौसमी बीमारियों से बचाव और रोकथाम के लिए जागरूक किया जाएगा।

मृतक का पोस्टमार्टम नहीं, मर्डर के आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़े ग्रामीण

प्रेमिका के परिजनों पर लगाए आरोप

डूंगरपुर। डूंगरपुर के दोवड़ा थाना क्षेत्र के वस्सी कराता फला में पेड़ पर फंदे से लटके मिले मृतक युवक का 30 घंटे बाद भी पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। मामले में मृतक के परिजनों ने प्रेमिका के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग की है।दोवड़ा थानाधिकारी कमलेश चौधरी ने बताया कि पालदेवल निवासी बसु पुत्र हरिप्रकाश बोहा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उसके बेटे उमेश (25) का दोवडा थाना क्षेत्र निवासी एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी के चलते युवती के परिजनों ने पहले उमेश से मारपीट की और फिर उसकी हत्या कर दी। परिजनों ने उमेश के शव को पेड़ से लटकाने के आरोप भी लगाए हैं। मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी हैं। परिजनों ने हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर 30 घंटे से शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है। बुधवार को मृतक के परिजन कलेक्ट्रेट पहुंचे और एडीएम हेमेन्द्र नागर को ज्ञापन सौंपा। जिसके बाद एडीएम हेमेंद्र नागर ने पुलिस अधिकारियों से फोन पर बात कर मामले की निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही परिजनों से पुलिस कार्रवाई में सहयोग कर शव का अंतिम संस्कार करने की अपील की। थानाधिकारी ने बताया की मामले में हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीठ में सुने मकान में चोरी, दो लाख के आभूषण चोरी

सीमलवाड़ा । धंबोला थाना क्षेत्र के पीठ कस्बे में एक सुने मकान में चोरों ने निशाना साधा। अज्ञात चोरों ने मकान में से सोने चांदी के आभूषण एवं महत्वपूर्ण कागजात चूरा लिए है। सीआई हजारी लाल मीणा ने बताया कि पीठ निवासी अनिल पुत्र गटु डामोर ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है जिसमें बताया कि उसके मौसा प्रेमजी पुत्र मनजी कलासुआ जोकि अहमदाबाद गए हुए थे। चोरों ने उनके सुने मकान का ताला तोड़ कर लगभग 2 लाख रुपयों के आभूषण एवं महत्वपूर्ण कागजात चूरा लिए है। सुबह घर का ताला टूटा हुआ मिला। जिसकी सूचना अहमदाबाद में मकान मालिक को दी। शाम को वो घर पर पहुंचने पर चोरी की जानकारी मिली। सूचना पर पीठ चौकी प्रभारी विद्याशंकर सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। मौका निरीक्षण कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। वही सीमलवाडा कस्बे में 4 चोरियों का अब तक खुलासा नही हुआ है। कस्बे में हुई चोरियों में अज्ञात चोरों के सीसीटीवी फुटेज भी मिले है जिसके बावजूद चोर अब तक पुलिस की गिरफ्त से दूर है।

नाबालिग के अपरहण व दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा

एक लाख रूपये का लगाया जुर्माना, डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट का फैसला

डूंगरपुर। जिले की पोक्सो कोर्ट ने नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा सुनाई है। वही कोर्ट ने दोषी को एक लाख रुपए के जुर्माने से दण्डित भी किया है। 10 मार्च 2021 को कोतवाली थाना क्षेत्र में ये घटना हुई थी।

डूंगरपुर जिले के पोक्सो कोर्ट के विशिष्ठ लोक अभियोजक योगेश जोशी ने बताया की 12 मार्च 2021 को कोतवाली थाने में मामला दर्ज हुआ था। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में पीडिता के पिता ने बताया था की उसकी नाबालिग बेटी 11 वी कक्षा की छात्रा है। 10 मार्च 2021 को छात्रा घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। लेकिन छात्रा वापस घर नहीं लौटी। इधर बाद में परिजनों को पता चला की दोवडा थाना क्षेत्र के सुलई फला तलैया निवासी प्रेम कुमार पुत्र थावरा बाइक पर बैठाकर उसका अपहरण करके ले गया है। पुलिस ने पीडिता के पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की वही पुलिस ने पीडिता को दस्तयाब किया और आरोपी प्रेम कुमार को हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ में पीडिता ने बताया की आरोपी प्रेम कुमार उसे बाइक पर बैठाकर रत्नावाडा में अपने रिश्तेदार के घर ले गया था। वहा पर आरोपी प्रेम कुमार ने उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म किया था। जिस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। वही पुलिस ने मामले में अनुसन्धान पूर्ण करते हुए डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट में चालान पेश किया। इसी मामले में डूंगरपुर पोक्सो कोर्ट ने आज अंतिम सुनवाई करते हुए आरोपी प्रेम कुमार को दोषी करार दिया। वही दोषी प्रेम कुमार को 10 साल की सजा सुनाई। वही दोषी को एक लाख रुपए के जुर्माने से दण्डित भी किया है।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला कॉलेज स्टूडेंट का शव, परिजनों ने जताया हत्या का शक

डूंगरपुर। डूंगरपुर के दोवड़ा थाना क्षेत्र में एक युवक का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिला। युवक का शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। युवक का शव उसके घर से 25 किलोमीटर दूर दूसरे गांव में मिला है। परिजनों ने युवक की हत्या का शक जता रहे हैं। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।थानाधिकारी कमलेश चौधरी ने बताया कि वस्सी कराता फला से गुजर रहे कुछ लोगों ने भटवाड़ा रोड पर पावर हाउस से आगे सड़क किनारे एक पेड़ से युवक का शव फंदे से लटका देखा। पेड़ के नीचे ही एक बाइक भी खड़ी थी। इस पर उन्होंने ग्रामीणों को बताया तो गांव में सनसनी फेल गई और लोग इकट्ठे हो गए। घटना की सूचना मिलने पर कॉन्स्टेबल रमण लट्ठा मौके पर पहुंचे और युवक के शव को फंदे से नीचे उतारा। युवक के पास मिले आईडी कार्ड से उसकी शिनाख्त उमेश (25) पुत्र हरिप्रकाश बोहा निवासी देवल के रूप में हुई। पुलिस ने घटना की सूचना उसके परिजनों को दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को डूंगरपुर हॉस्पिटल के मोर्चरी में रखवाया। सूचना के बाद परिजन अस्पताल पहुंचे और उमेश की हत्या की आशंका जताई।

नगरपरिषद सभापति ने किया गेपसागर झील के जलआवक मार्गो का निरीक्षण

जल आवक मार्गो के बाधित मिलने पर जताई नाराजगी

डूंगरपुर। नगरपरिषद के सभापति अमृत कलासुआ ने आज डूंगरपुर शहर की हृदयस्थली कहे जाने वाली गेप सागर झील के जल आवक मार्गो का निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगहों पर झील के जल आवक मार्ग बाधित मिले। जिस पर सभापति कलासुआ ने नाराजगी जताई और बंद जल आवक मार्गो को बहाल करवाने के निर्देश दिए। डूंगरपुर जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में लगातर बारिश की झड़ी लगीं हुई हैं।

इसके बाद भी जहा जिलेभर के नदी नाले और तालाब उफान पर है तो वहीं शहर की हृदय स्थली गैप सागर झील अभी खाली है। इसी को लेकर गैप सागर झील के जल आवक मार्गों का नगर परिषद सभापति अमृत कलासुआ ने आज सुबह निरीक्षण किया और बंद नालों को खुलवाने के निर्देश दिए।

सभापति अमृत कलासुआ नगर परिषद की टीम के साथ गैपसागर झील के तमाम जल आवक मार्गो का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि गैपसागर झील में पानी आने के प्राकृतिक मार्गो में पक्के निर्माण और भूमि पट्टे दिए जाने के कारण अवरोध पैदा हो गए है। इस कारण पिछले 7 दिनों से हो रही लगातार बारिश के बाद भी झील में पानी की आवक नहीं हो रही है जो पूरे शहर में चिंता और चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे देखते हुए सभापति ने तीजवड, बिलडी, कुशाल मगरी, नया बस स्टैंड ,घाटी तालाब, व रेती स्टैंड के प्राकृतिक नालों को देखा तो सभी जगह पक्के निर्माण पाए गए। सभापति ने निर्देश दिए कि नगर परिषद क्षेत्र में जितने भी जल आवक मार्गो पर पक्के निर्माण किए गए हैं उन्हें तत्काल प्रभाव से तोड़ दिया जाए और पानी के रास्ते खोले जाएं। वही निरीक्षण के दौरान पाया कि नगर परिषद से लगती बिलड़ी, मांडवा सहित कई पंचायतों में पड़ने वाले गैपसागर के जल आवक मार्गो में संबंधित पंचायतों की ओर से या तो भूमि पट्टे दिए गए हैं या फिर खातेदारी जमीनों पर निर्माण स्वीकृति जारी कर दी गई हैं । वहीं कई जगह पंचायतों में जल आवक मार्गों में पक्के निर्माण भी करने की बात सामने आई।

जिस पर सभापति ने शहर के सभी जल आवक मार्ग खोलने के निर्देश दिए हैं वहीं पंचायत में नगर परिषद को कार्रवाई का अधिकार नहीं है। ऐसे में जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर जरा वर्क मार्गों को खोलने की मांग की जाएगी।

छात्रसंघ चुनाव का संग्राम, एसबीपी कॉलेज में वर्ष 2016 से बीपीवीएम का रहा कब्ज़ा

इस बार एबीवीपी,एनएसयूआई और एसएफआई लगा रहे एडी चोटी का जोर

डूंगरपुर। जिले में छात्र संघ चुनाव के तहत नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब कालेजो में स्थिति साफ़ हो गई है। जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज में बीपीवीएम, एसएफआई, एबीवीपी व एनएसयूआई के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला होगा। एसबीपी कॉलेज में वर्ष 2016 से बीपीवीएम का कब्जा रहता आया है और इस बार भी बीपीवीएम का पलड़ा भारी है। हालाकि अन्य छात्र संगठन बीपीवीएम के इस विजय रथ को रोकने के लिए एबीवीपी, एनएसयूआई और एसएफआई एडी चोटी का जोर लगा रहे है।

डूंगरपुर जिले में भी छात्रसंघ चुनाव के तहत 26 अगस्त को मतदान होना है। इधर छात्रसंघ चुनाव के तहत डूंगरपुर जिले के विभिन्न कालेजो में नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्थिति साफ़ हो गई है। डूंगरपुर जिले में कुल 6 राजकीय कालेजो में से पीठ संस्कृत कॉलेज व सीमलवाडा कॉलेज में भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा (बीपीवीएम) अपना जीत का परचम फहरा चूका है। दोनों कालेजो में चारो पदों पर बीपीवीएम के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके है।

बीपीवीएम को रोकने के लिए अन्य संगठन लगा रहे एड़ी चोटी का जोर

इधर इस बार एसबीपी कॉलेज में भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा (बीपीवीएम) के लगातार चले आ रहे विजय रथ को रोकने के लिए अन्य छात्र संगठन एबीवीपी, एनएसयूआई व एसएफआई पूरी एड़ी चोटी का जोर लगा रहे है। अन्य छात्र संगठन के नेताओ का कहना है कि छात्र राजनीत में जाति का कार्ड खेला जीत हासिल की लेकिन इतने सालों में बीपीवीएम कॉलेज व यहां के विद्यार्थियों का कोई विकास नही किया है।

दो कॉलेज में चतुष्कोणीय मुकाबला, एक में त्रिकोणीय और एक में होगा सीधा मुकाबला

डूंगरपुर जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज व वीर बाला कालीबाई कन्या महाविद्यालय में बीपीवीएम, एसएफआई, एबीवीपी व एनएसयूआई के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला होगा।

तो वही सागवाडा भीखाभाई कॉलेज में बीपीवीएम,एबीवीपी व एनएसयूआई के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। इसके अलावा बिछीवाडा कॉलेज में बीपीवीएम व एनएसयूआई के बीच सभी पदों पर सीधा मुकाबला होगा।

बाईट-1 उमेश डामोर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष बीपीवीएमबाईट-2 हर्षित ननोमा प्रान्त सहमंत्री एबीवीपी

बहराल नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी छात्र संगठन अपने-अपने चुनाव प्रचार में जुट गए है। वही छात्र संगठनों के नेता अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे है। खेर अब देखने वाली बात होगी की छात्रसंघ चुनाव में एसबीपी कॉलेज में क्या बीपीवीएम अपना विजय रथ बरकरार रखता है यहाँ अन्य छात्र संगठन इस विजय रथ को रोक पाते है।

एसबीपी कॉलेज में 2016 से बीपीवीएम का कब्जा

डूंगरपुर जिले में वर्ष 2016 से पहले एसबीपी कॉलेज में कभी एबीवीपी व कभी एनएसयूआई जीतती आई थी। लेकिन वर्ष 2016 में छात्रसंघ चुनाव में भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा की एंट्री हुई। भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा ने कॉलेज चुनाव में एसटी जाति का कार्ड खेला। नतीजा पहली ही बार मे भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा ने जीत हासिल कर छात्र राजनीति को हिला कर रख दिया। वही वर्ष 2016 के बाद से भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा का एसबीपी कॉलेज के कब्जा बरकरार रहा है। वही इस बार भी भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा अपने द्वारा पिछले सालों में करवाये गए कार्यो व छात्रहितों से जुड़े मुद्दों को लेकर चुनावी मैदान में है और अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है।

वही अब डूंगरपुर जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज, विकेबी गर्ल्स कॉलेज, भीखाभाई सागवाडा कॉलेज व बिछीवाडा कॉलेज में 26 अगस्त को मतदान होगा।

दिल्ली में 'इन्वेस्टर्स मीट एंड एमओयू साइनिंग सेरेमनी'

राज्य सरकार और निवेशकों के बीच 69,789 करोड़ रूपए के एमओयू

* जयपुर में 7-8 अक्टूबर, 2022 को आयोजित होगा 'इन्वेस्ट राजस्थान'
* निवेशकों के अनुकूल उपलब्ध नीतिगत ढांचे से राजस्थान बना निवेशकों का पसंदीदा राज्य
* मुख्यमंत्री ने कहा- निवेशक राज्य में औद्योगिक विकास के लिए दें सुझाव

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में औद्योगिक क्षेत्र स्थापना को लेकर अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक विकास के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इससे निवेशकों को राज्य में निवेश करने में आसानी हुई है। यहां निवेशकों की समस्याओं को सुनना और प्रतिबद्धता के साथ उनका समयबद्ध निस्तारण करना राज्य सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। वर्तमान में रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल्स, सौर ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा विकास आदि में भारी निवेश करने वाले राज्य के रूप में राजस्थान पूरे देश में अग्रणी राज्य बन गया है। राजस्थान निवेशकों के लिए उपलब्ध अनुकूल नीतिगत ढांचे से पहली पसंद बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रीको द्वारा राजस्थान के प्रत्येक ब्लॉक में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जा रहे हैं। एनसीआर का 25 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान में होने से देशभर से बेहतर कनेक्टिविटी है। यहां कानून-व्यवस्था, बेहतरीन सड़कें तथा अनुकूल परिस्थितियों के साथ निवेश करने के लिए एक अग्रणी राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर एवं दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का भी एक बड़ा हिस्सा राजस्थान से गुजरता है। इससे निवेशकों को बड़ा फायदा मिलेगा। गहलोत जयपुर में 7 और 8 अक्टूबर को होने वाले 'इन्वेस्ट राजस्थान 2022' के तहत बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित एमओयू साइनिंग सेरेमनी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हुए एमओयू सहित अब तक करीब 11 लाख करोड़ के एमओयू एवं एलओआई हो चुके हैं। राजस्थान में सांस्कृतिक एवं भौगोलिक विविधता के साथ-साथ अब निवेशकों की भी विविधता है। रिन्यूएबल एनर्जी, एग्रोप्रोसेसिंग, माइनिंग, ई-व्हीकल, सेरेमिक तथा ग्लास के क्षेत्र में निवेश इसके प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिप्स के तहत निवेशकों को उनकी जरूरत के अनुसार पैकेज दिए जा रहे हैं।

एमएसएमई-2019 के तहत नवीन उद्यम इकाइयों को 3 साल तक किसी सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं होने के साथ वन स्टॉप शॉप प्रणाली से सभी सरकारी स्वीकृतियां एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।